भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

05.08.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 2846 का उत्तर

तेलंगाना और तमिलनाडु में रेल अवसंरचना का विकास

2846. श्री सुरेश कुमार शेटकर:
श्री विजयकुमार उर्फ विजय वसंत:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने तेलंगाना और तमिलनाडु में रेल अवसंरचना के विकास के लिए पर्याप्त धन आवंटित किया है और यदि हाँ, तो वर्ष-वार धन के आवंटन और उपयोग का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या नए रेल मार्गों और इनके विस्तार से तेलंगाना और तमिलनाडु में भीड़भाड़ कम होने तथा यात्री एवं माल ढुलाई में सुधार होने की उम्मीद है और यदि हाँ, तो अनुमानित परिणामों सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या भूमि अधिग्रहण, पर्यावरण मंजूरी और विनियामक स्वीकृतियों के कारण तेलंगाना और तमिलनाडु में रेल परियोजनाओं में देरी हो रही है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इस समस्या को हल करने/प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;

(घ) क्या केंद्रीय और राज्य प्राधिकरणों के बीच समन्वय संबंधी मुद्दों ने रेल परियोजनाओं की प्रगति को प्रभावित किया है और यदि हाँ, तो उठाए गए सुधारात्मक उपायों सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या सरकार तेलंगाना और तमिलनाडु में सभी लंबित रेल परियोजनाओं और नए मार्गों को पूरा करने के लिए एक समयबद्ध कार्य योजना तैयार करने का प्रस्ताव करती है और यदि हाँ, तो इसके कार्यान्वयन रोडमैप सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(च) क्या सरकार ने तेलंगाना और तमिलनाडु में नए रेल मार्गों के लिए सर्वेक्षण किए हैं और यदि हाँ, तो सर्वेक्षणों की संख्या, प्रस्तावित मार्गों और स्वीकृतियों की स्थिति सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(छ) क्या सरकार ने तेलंगाना और तमिलनाडु में नए विकसित या उन्नत मार्गों पर नई ट्रेन सेवाएं शुरू की हैं और यदि हाँ, तो प्राप्त यात्री लाभों सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ज) क्या देश में उच्च घनत्व वाले मार्गों पर दोहरीकरण परियोजनाएं कार्यक्रम के अनुसार आगे बढ़ रही हैं और यदि हाँ, तो किसी बाधा सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ज):

तेलंगाना

रेल बजटः

हाल के वर्षों में बजट आबंटन में काफी वृद्धि हुई है। तेलंगाना राज्य में पूर्णत:/अंशत: आने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा संबंधी कार्यों के लिए बजट आबंटन निम्नानुसार है:

अवधि	परिव्यय
2009-14	886 करोड़ रुपए प्रति वर्ष (आंध्र प्रदेश सहित)
2026-27	5,454 करोड़ रुपए (6 गुना से अधिक)

रेलपथ निर्माण:

तेलंगाना राज्य में पूर्णत:/अंशत: आने वाले नए रेलपथों की कमीशनिंग/बिछाने का ब्यौरा निम्नानुसार है:

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ	कमीशन किए गए नए रेलपथ का औसत
2009-14	87 किलोमीटर	17.4 कि.मी. प्रति वर्ष
2014-26	888 किलोमीटर	73.98 कि.मी. प्रति वर्ष (चार गुना से अधिक)

स्वीकृत परियोजानाएं:

01.04.2026 की स्थिति के अनुसार, तेलंगाना राज्य में पूर्णत:/अंशत: आने वाली 40,769 करोड़ रुपए लागत से 2,347 किलोमीटर कुल लंबाई की 21 रेल परियोजनाएं (6 नई लाइनें और 15 दोहरीकरण) स्वीकृत की गई हैं। इसका सारांश निम्नानुसार है:-

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (किलोमीटर में)	मार्च, 2026 तक कमीशन की गई लंबाई (किलोमीटर में)	मार्च, 2026 तक किया गया कुल व्यय (करोड़ रुपए में)
नई लाइनें	6	840	245	3,969
दोहरीकरण/बहुपथन	15	1,507	432	8,136
कुल	21	2,347	677	12,105

हाल ही में पूरी की गई परियोजनाएं:

तेलंगाना राज्य में पूर्णतः/अंशतः आने वाली कुछ परियोजनाएं जिन्हें पूरा किया गया है, का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र.सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रुपए में)
1	पेद्दपल्ली- निज़ामाबाद नई लाइन (178 किलोमीटर)	926
2	जग्गय्यपेट-जनपहाड़ नई लाइन (48 किलोमीटर)	737
3	अक्कनपेट - मेडक नई लाइन (17 किलोमीटर)	205
4	भद्राचलम रोड-सत्तुपल्ली नई लाइन (56 किलोमीटर)	990
5	राघवपुरम-मंदमारि दोहरीकरण (24 किलोमीटर)	165
6	रायचूर-गुंतकल दोहरीकरण (81 किलोमीटर)	388
7	मंचिर्याल-पेद्दमपेट तिहरीकरण (9 किलोमीटर)	120

क्र.सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रुपए में)
8	सिकंदराबाद- महबूबनगर दोहरीकरण (85 किलोमीटर)	1,266
9	मल्टी-मोडाल ट्रांसपोर्ट सिस्टम (एमएमटीएस) चरण-II (103 किलोमीटर)	1,156
10	पेद्दपल्ली में बाईपास लाइन (2 किलोमीटर)	37

चालू परियोजनाएं:

तेलंगाना राज्य में पूर्णतः/अंशतः आने वाली कुछ परियोजनाएं जो हाल ही में शुरू की गई हैं, निम्नानुसार हैं:

क्र.सं.	परियोजना का नाम	लागत (करोड़ रुपए में)
1	मुनिराबाद- महबूब नगर नई लाइन (247 किलोमीटर)	3,978
2	मनोहराबाद-कोत्तपल्ली नई लाइन (151 किलोमीटर)	3,203
3	मल्कानगिरी-पांडुरंगपुरम बरास्ता भद्राचलम नई लाइन (174 किलोमीटर)	3,592
4	काज़ीपेट-विजयवाड़ा-तीसरी लाइन (220 किलोमीटर)	3,315
5	काजीपेट-बल्लारशाह-तीसरी लाइन (202 किलोमीटर)	4,063
6	गुंटूर- बीबीनगर दोहरीकरण (239 किलोमीटर)	2,853
7	मुदखेड़-मेडचल तथा महबूबनगर डोन दोहरीकरण (417 किलोमीटर)	4,686
8	भद्राचलम रोड-डोर्नकल दोहरीकरण (55 किलोमीटर)	770
9	मोटूमारी-विष्णुपुरम दोहरीकरण (89 किलोमीटर) और मोटूमारी में आरओआर (11 किलोमीटर) (100 किलोमीटर)	1,596

10	सिकंदराबाद वाडी तीसरी और चौथी लाइन (173 किलोमीटर)	5,012
11	डोर्नकल में आरओआर फ्लाईओवर (11 किलोमीटर)	327
12	गुतंकल- वाडी तीसरी और चौथी लाइन (230 किलोमीटर)	4,758

पिछले तीन वर्षों अर्थात् 2023-24, 2024-25, 2025-26 और चालू वित्त वर्ष 2026-27 के दौरान, तेलंगाना राज्य में पूर्णत:/अंशत: आने वाली 3,902 किलोमीटर कुल लंबाई की 31 सर्वेक्षणों (15 नई लाइनें और 16 दोहरीकरण) स्वीकृत की गई हैं।

तेलंगाना राज्य में पूर्णत:/अंशत: आने वाली महत्वपूर्ण अवसंरचना परियोजनाओं का निष्पादन भूमि अधिग्रहण में विलंब के कारण रुका हुआ है। तेलंगाना में भूमि अधिग्रहण की स्थिति इस प्रकार है:

कुल अपेक्षित भूमि	2,792 हेक्टेयर
अधिगृहीत भूमि	1,772 हेक्टेयर (63%)
अधिग्रहण किए जाने हेतु शेष भूमि	1020 हेक्टेयर (37%)

भूमि अधिग्रहण के कारण विलंबित कुछ प्रमुख परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है:-

क्र.सं.	परियोजना का नाम	कुल आवश्यक भूमि (हेक्टेयर में)	अधिगृहीत भूमि (हेक्टेयर में)	अधिग्रहण किए जाने हेतु शेष भूमि (हेक्टेयर में)	राज्य को भुगतान की गई राशि (करोड़ रुपए में)
1.	गुंटुर-बीबीनगर दोहरीकरण	63	7	56	40
2.	मुदखेड़-मेडचल और महबूबनगर-डोन दोहरीकरण	184	12	172	38

तमिलनाडु:

रेल बजट:-

हाल के वर्षों में बजट आबंटन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों हेतु बजट आबंटन निम्नानुसार है:

अवधि	परिव्यय
2009-14	879 करोड़ रु. प्रति वर्ष
2026-27	7,611 करोड़ रु. (8 गुना से अधिक)

रेलपथ निर्माण:

तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाले नए रेलपथ के निर्माण का ब्यौरा निम्नानुसार हैः

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ
2009-14	923 कि.मी.
2014-26	1,356 कि.मी.

स्वीकृत परियोजनाएं:-

01.04.2026 की स्थिति के अनुसार, तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली 27,282 करोड़ रुपए की लागत से कुल 1,874 किलोमीटर लंबाई की 19 परियोजनाएं (8 नई लाइन, 03 आमान परिवर्तन और 08 दोहरीकरण) स्वीकृत की गई हैं। सारांश निम्नानुसार है:-

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (किलोमीटर में)	मार्च 2026 तक कमीशन की गई लंबाई (किलोमीटर में)	मार्च 2026 तक कुल व्यय (करोड़ रुपए में)
नई लाइन	8	811	24	1,514
आमान परिवर्तन	3	748	631	3,605
दोहरीकरण/ बहुपथन	8	314	54	3,693
कुल	19	1,874	709	8,812

हाल ही में पूरी की गई परियोजनाएं

तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली कुछ परियोजनाएं, जिन्हें हाल ही में पूरा किया गया है, का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र.सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रु. में)
1	दिंडुक्कल-पोल्लाच्चि आमान परिवर्तन (121 किलोमीटर)	610
2	पोल्लाच्चि-पालघाट आमान परिवर्तन (56 किलोमीटर)	350
3	पोल्लाच्चि-पोत्तनूर आमान परिवर्तन (40 किलोमीटर)	400
4	कोल्लम-तिरुच्चेंदुर आमान परिवर्तन (357 किलोमीटर)	1,122
5	मयिलाडुतुरै -कारैक्कुडि आमान परिवर्तन (187 किलोमीटर)	1,338
6	मदुरै-बोडिनायकन्नूर आमान परिवर्तन (90 किलोमीटर)	593
7	चेंगलपट्टू-विल्लुपुरम दोहरीकरण (102 किलोमीटर)	670
8	तिरुवल्लुर-अरक्कोणम चौथी लाइन (27 किलोमीटर)	83
9	तंजावूर-पोन्मलै दोहरीकरण (48 किलोमीटर)	370
10	विल्लुपुरम-दिंडुक्कल दोहरीकरण (273 किलोमीटर)	2,000
11	चेन्नै बीच-अत्तिपट्टु चौथी लाइन (22 किलोमीटर)	293
12	ओमलूर-मेट्टूरडैम कहीं-कहीं दोहरीकरण (29 किलोमीटर)	327
13	चेंगलपट्टु-विल्लुपुरम और ताम्बरम-चेंगलपट्टु - तीसरी लाइन (133 किलोमीटर)	1,122
14	सेलम-ओमलूर दोहरीकरण (11 किलोमीटर)	115
15	मदुरै-तूत्तुक्कुडि दोहरीकरण (160 किलोमीटर)	1,891
16	मणियाच्चि-नागरकोविल दोहरीकरण (102 किलोमीटर)	1,752
17	चेन्नै बीच-चेन्नै एग्मोर दोहरीकरण (4 किलोमीटर)	272

चल रही परियोजनाएं:-

तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/अंशतः आने वाली कुछ परियोजनाएं जो शुरू की गई हैं, वे इस प्रकार हैं:

क्र.सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रु. में)
1	तिण्डिवनम-नगरि नई लाइन (184 कि.मी.)	3,631
2	मोरप्पूर-धर्मपुरि नई लाइन (36 कि.मी.)	359
3	त्रिवेंद्रम-कन्याकुमारी दोहरीकरण (87 कि.मी.)	4,494
4	इरुगूर-पोत्तनूर दोहरीकरण (11 कि.मी.)	277
5	ताम्बरम-चेंगलपट्टु चौथी लाइन (30 कि.मी.)	757
6	अत्तिपट्टु-गूम्मिडिपूण्डी तीसरी और चौथी लाइन (23 कि.मी.)	365
7	तिरुपति-काटपाडी दोहरीकरण (105 कि.मी.)	1,216
8	तिण्डिवनम-तिरुवण्णामलै नई लाइन (71 कि.मी.)	1,400
9	अत्तिपट्टु-पुत्तूर नई लाइन (88 कि.मी.)	1,700
10	चेन्नै-कुडलूर नई लाइन (179 कि.मी.)	2,670
11	बैयप्पनहल्लि से होसूर दोहरीकरण (48 कि.मी.)	1,160
12	अरक्कोणम-चेंगलपट्टु दोहरीकरण (68 कि.मी.)	993
13	ईरोड-करुर दोहरीकरण (67 कि.मी.)	986

पिछले तीन वर्षों अर्थात् 2023-24, 2024-25, 2025-26 और चालू वित्त वर्ष 2026-27 के दौरान, तमिलनाडु राज्य में पूर्णत:/अंशत: आने वाली 3,517 किलोमीटर कुल लंबाई के 29 सर्वेक्षण कार्य (04 नई लाइनें और 25 दोहरीकरण) स्वीकृत किए गए हैं।

तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली महत्वपूर्ण अवसंरचना परियोजनाओं का निष्पादन भूमि अधिग्रहण में विलंब के कारण रुका हुआ है। तमिलनाडु में भूमि अधिग्रहण की स्थिति निम्नानुसार है:

तमिलनाडु में परियोजनाओं के लिए कुल अपेक्षित भूमि	4,612 हेक्टेयर
अधिगृहित भूमि	1,178 हेक्टेयर (26%)
अधिग्रहण हेतु शेष भूमि	3,434 हेक्टेयर (74%)

भूमि अधिग्रहण में तेजी लाने के लिए तमिलनाडु सरकार के सहयोग की आवश्यकता है।

भूमि अधिग्रहण के कारण विलंबित हुई कुछ महत्वपूर्ण परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

क्र.सं.	परियोजना का नाम	कुल अपेक्षित भूमि (हेक्टेयर में)	अधिगृहीत भूमि (हेक्टेयर में)	अधिग्रहण हेतु शेष भूमि (हेक्टेयर में)
1.	तिण्डिवनम-तिरुवण्णामलै नई लाइन (71 किलोमीटर)	276	33	243
2.	अतिपट्टु-पुत्तूर नई लाइन (88 किलोमीटर)	189	0	189
3.	मोरप्पुर-धर्मपुरि नई लाइन (36 किलोमीटर)	93	47	46
4.	मन्नारगुडी-पट्टुकोट्टै नई लाइन (41 किलोमीटर)	204	0	204
5.	तंजावूर-पट्टुकोट्टै नई लाइन (52 किलोमीटर)	152	0	152

इसके अलावा, रामेश्वरम-धनुष्कोडि नई लाइन (18 कि.मी.) को 734 करोड़ रुपए की लागत से स्वीकृत किया गया था। दिनांक 01.03.2019 को इस परियोजना की आधारशिला रखी गई थी। बहरहाल, परियोजना शुरू नहीं हो सकी क्योंकि तमिलनाडु राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण नहीं किया गया है।

भारत सरकार परियोजनाओं के निष्पादन के लिए तैयार है, बहरहाल, इनकी सफलता तमिलनाडु सरकार के सहयोग पर निर्भर करती है।

किसी भी रेल परियोजना की स्वीकृति कई मानदंडों/कारकों पर निर्भर करती है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- **अनुमानित यातायात पूर्वानुमान और प्रस्तावित मार्ग की लाभप्रदता**
- **परियोजना द्वारा प्रदान की गई पहली और अंतिम स्थान संपर्कता**
- **अनुपलब्ध कड़ियों को जोड़ना और अतिरिक्त मार्ग प्रदान करना**

- संकुलित/संतृप्त लाइनों का संवर्धन
- राज्य सरकारों/केंद्रीय मंत्रालयों/जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाई गईं मांगें
- रेलवे की अपनी परिचालनिक आवश्यकताएँ
- सामाजिक-आर्थिक महत्व
- निधियों की समग्र उपलब्धता

रेल अवसंरचना परियोजनाओं से निम्नलिखित सुविधाओं के साथ-साथ उस क्षेत्र का सामाजिक-आर्थिक विकास होता हैः

- देश के अन्य हिस्सों के साथ क्षेत्र का बेहतर एकीकरण
- वस्तुओं और सेवाओं की तेज आवाजाही
- संभार तंत्र दक्षता में सुधार
- लाइन क्षमता में वृद्धि
- क्षेत्र के लोगों के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसरों में वृद्धि
- परिचालन बाधाएं कम होना
- क्षेत्र में पर्यटन उद्योग का विकास और औद्योगिक गतिविधियों में वृद्धि।

रेल परियोजना/परियोजनाओं का पूरा होना कई कारकों पर निर्भर करता है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण
- वन संबंधी स्वीकृति
- अतिलंघनकारी साधनों का स्थानांतरण
- विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियाँ
- क्षेत्र की भूवैज्ञानिक और स्थलाकृतिक परिस्थितियाँ
- परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति
- परियोजना स्थल विशेष के लिए वर्ष में कार्य करने के महीनों की संख्या आदि।

ये सभी कारक परियोजना/परियोजनाओं के पूरा होने के समय और लागत को प्रभावित करते हैं।

रेलगाड़ी सेवाएं:

चूंकि रेल नेटवर्क राज्यों की सीमाओं के आर-पार फैला होता है, इसलिए ऐसी सीमाओं के आर-पार नेटवर्क की आवश्यकतानुसार रेलगाड़ियां चलाई जाती हैं।

बहरहाल, 2025-26 और 2026-27 (30.06.2026 तक) के दौरान, भारतीय रेल (प्रारंभिक/समाप्ति के आधार पर), तेलंगाना और तमिलनाडु राज्य में स्थित विभिन्न स्टेशनों के यात्रियों को सुविधा मुहैया कराने के लिए क्रमशः 21 जोड़ी गाड़ी सेवाएं (10 अमृत भारत एक्सप्रेस सहित) और 23 जोड़ी गाड़ी सेवाएं (16 अमृत भारत एक्सप्रेस गाड़ी सेवाएं सहित) शुरू की हैं। ये निम्नानुसार सूचीबद्ध हैं:

तेलगांना राज्य में शुरू की गई रेलगाड़ी सेवाएं:

क्र.सं.	गाड़ी सं. तथा नाम
1	17065/17066 चर्लपल्ली - शालीमार अमृत भारत एक्सप्रेस
2	15673/15674 चर्लपल्ली - कामाख्या अमृत भारत एक्सप्रेस
3	16357/16358 नागरकोइल - चर्लपल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस
4	17041/17042 चर्लपल्ली - तिरुवनंतपुरम् नार्थ अमृत भारत एक्सप्रेस
5	15293/15294 मुज्जफरपुर- चर्लपल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस
6	17047/17048 चर्लपल्ली - तिरुचानूर एक्प्रेस
7	17443/17444 तिरुपति - चर्लपल्ली एक्सप्रेस
8	17441/17442 तिरुपति - चर्लपल्ली एक्सप्रेस
9	17067/17068 चर्लपल्ली - भुवनेश्वर न्यू एक्सप्रेस
10	17043/17044 सिकंदराबाद - अनकापल्ली एक्सप्रेस
11	17071/17072 हैदराबाद - बेलागावि एक्सप्रेस

क्र.सं.	गाड़ी सं. तथा नाम
12	17073/17074 सिकंदराबाद - बेलागावि एक्सप्रेस
13	17059/17060 चर्लपल्ली - तिरुचानूर एक्प्रेस
14	17075/17076 चर्लपल्ली - बेलागावि एक्प्रेस
15	17053/17054 चर्लपल्ली - अनकापल्ली एक्प्रेस
16	17045/17046 चर्लपल्ली - अनकापल्ली एक्प्रेस
17	17061/17062 चर्लपल्ली - नरसापुर एक्प्रेस
18	17615/17616 काचीगुडा - तुत्तुकुडि एक्प्रेस
19	18527/18528 विशाखापट्टणम - चर्लपल्ली एक्प्रेस
20	17069/17070 हैदराबाद दक्कन - कन्याकुमारी एक्सप्रेस
21	17605/17606 काचीगुडा - भगत की कोठी एक्सप्रेस

तमिलनाडु राज्य में शुरू की गई रेलगाड़ी सेवाएं:

क्र.सं.	गाड़ी सं. तथा नाम
1	16601/16602 ईरोड - जोगबनी अमृत भारत एक्सप्रेस
2	20603/20604 न्यू जलपाईगुड़ी - नागरकोइल अमृत भारत एक्सप्रेस
3	20609/20610 न्यू जलपाईगुड़ी - तिरुचिरापल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस
4	16107/16108 ताम्बरम - सांतरागाछी अमृत भारत एक्सप्रेस
5	16121/16122 ताम्बरम - तिरुवनंतपुरम सेंट्रल अमृत भारत एक्सप्रेस
6	16329/16330 नागरकोइल - मंगलुरु जंक्शन अमृत भारत एक्सप्रेस
7	16619/16620 पोत्तनूर - धनबाद अमृत भारत एक्सप्रेस

8	16357/16358 नागरकोइल - चर्लपल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस
9	20625/20626 एमजीआर चेन्नई सेंट्रल - भगत की कोठी एक्सप्रेस
10	16103/16104 ताम्बरम - रामेश्वरम एक्सप्रेस
11	16807/16808 ताम्बरम - तिरुचिरापल्ली एक्सप्रेस
12	16707/16708 मंगलुरु जंक्शन - तिरुनेलवेली एक्सप्रेस
13	16621/16622 रामेश्वरम - मंगलुरु सेंट्रल एक्सप्रेस
14	16363/16364 एर्नाकुलम - वेलांकल्लि एक्सप्रेस
15	17069/17070 हैदराबाद - कन्याकुमारी एक्सप्रेस
16	17615/17616 काचीगुडा - तूतीकोरिन एक्सप्रेस
17	18041/18042 शालीमार - एमजीआर चेन्नई सेंट्रल एक्सप्रेस
18	56007/56008 मयिलाड़तुरै - वेलांकन्नि पैसेंजर
19	56009/56010 मयिलाड़तुरै - कराईकल पैसेंजर
20	66621/66622 सेलम - ईरोड मेमू
21	66595/66596 यशवंतपुर - हासूर मेमू
22	66623/66624 पालक्काड़ - पोल्लाच्चि मेमू
23	56835/56836 मयिलाड़तुरै - कारैक्कुडि पैसेंजर

इसके अलावा, किसी भी मार्ग/खंड पर गाड़ी सेवाओं का शुरू होना, एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है, जो विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है:

- संबंधित रेलखंड की क्षमता
- पथ की उपलब्धता
- अपेक्षित चल स्टॉक की उपलब्धता
- चल स्टॉक के लिए सुमेलित अवसंरचना की उपलब्धता
- रेलपथ और अन्य परिसंपत्तियों की अनुरक्षण आवश्यकता
- संबंधित खंड की अधिभोगिता और यातायात आवश्यकता

गतिशक्ति मल्टी- मॉडल कार्गो टर्मिनल:

निजी निवेश के माध्यम से कार्गो टर्मिनलों की स्थापना को प्रोत्साहित करने के लिए, 'गति शक्ति मल्टी-मॉडल कार्गो टर्मिनल (जीसीटी)' नीति शुरू की गई है। जीसीटी का स्थान उद्योग जगत से मांग, कार्गो यातायात की क्षमता, रेल अवसंरचनाओं की उपलब्धता और क्षेत्र की समग्र लॉजिस्टिक्स क्षमता के आधार पर तय किया जाता है।

अब तक, तेलंगाना में 6 जीसीटी और तमिलनाडु में 5 जीसीटी सहित 142 गति शक्ति कार्गो टर्मिनलों (जीसीटी) को चालू किया गया है। इन 142 चालू जीसीटी की अनुमानित मालगाड़ी संभलाई क्षमता 224 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) है। इस नीति ने इन जीसीटी के माध्यम से लगभग 10,000 करोड़ रुपये का निजी निवेश जुटाया है। इन जीसीटी पर 2025-26 के दौरान मालगाड़ी संभलाई 146 मिट्रिक टन है। तेलंगाना और तमिलनाडु में चालू किए गए जीसीटी का ब्यौरा निम्नानुसार है-

तेलगांना:

क्र.सं.	सेवा प्रदाता स्टेशन/स्थान
1	सत्तुपल्ली
2	सुल्तानाबाद
3	तिप्पर्त्ती
4	रामागुंडम
5	चिटयाला -सीटीवाईएल
6	विष्णुपुरम

तमिलनाडु:

क्र.सं.	सेवा प्रदाता स्टेशन/स्थान
1	सिवाडि (एसजेडवी)
2	तंडैयारपेट्टै
3	वेल्लियनै

4	पोन्नेरी
5	अरक्कोणम (एजेजे)

इसके अलावा, तेलंगाना में 8 स्थानों और तमिलनाडु में 9 स्थानों सहित 310 और स्थानों पर जीसीटी के विकास के लिए सैद्धांतिक मंजूरी (आईपीए) प्रदान कर दी गई है।

साथ ही, देशभर में माल और पार्सल टर्मिनलों पर यात्रिओं की सुविधाओं में सुधार करने हेतु, वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 15,500 करोड़ रुपये की राशि आबंटित की गई है।

ऊपरी/निचले सड़क पुल:

भारतीय रेल में समपारों (एलसी) के स्थान पर ऊपरी/निचले सड़क पुलों (आरओबी/आरयूबी) के कार्यों की स्वीकृति प्रदान करना सतत और गतिशील प्रक्रिया है। ऐसे कार्यों को गाड़ी परिचालन में संरक्षा, गाड़ियों की गतिशीलता और सड़क उपयोगकर्ताओं पर इसके प्रभाव तथा व्यवहार्यता आदि के आधार पर प्राथमिकता निर्धारित करके शुरू किया जाता है।

वर्ष 2004-14 की तुलना में वर्ष 2014-26 (मई 2026 तक) की अवधि के दौरान भारतीय रेल में निर्मित किए गए ऊपरी/निचले सड़क पुलों (आरओबी/आरयूबी) की संख्या निम्नानुसार है:

अवधि	निर्मित किए गए आरओबी/आरयूबी
2004-14	4,148 अदद
2014-26 (मई 2026 तक)	14,451 अदद (520 अदद तेलंगाना राज्य में और 814 अदद तमिलनाडु राज्य में)

दिनांक 01.06.2026 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल में लगभग 1,17,492 करोड़ रु. की लागत से 4,993 अदद ऊपरी/निचले सड़क पुलों के निर्माण कार्यों को स्वीकृत किया गया है, जो योजना और निष्पादन के विभिन्न चरणों में हैं।

तेलंगाना राज्य में लगभग 4,883 करोड़ रु. की लागत से 118 अदद ऊपरी/निचले सड़क पुलों के कार्यों को स्वीकृत किया गया है, और तमिलनाडु राज्य में लगभग 4,952 करोड़ रु. की लागत से 248 अदद ऊपरी/निचले सड़क पुलों के कार्यों को स्वीकृत किया गया है, जो योजना और निष्पादन के विभिन्न चरणों में हैं।

तेलंगाना राज्य में, राज्य सरकार के कारण 16 अदद ऊपरी सड़क पुल लंबित हैं। ब्यौरा निम्नानुसार हैं:

क्र.सं.	कारण	ऊपरी/निचले सड़क पुल (संख्या में)
1.	राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण में देरी	15
2.	राज्य सरकार द्वारा संरेखण को अंतिम रूप देना	01

तमिलनाडु राज्य में, राज्य सरकार के कारण 14 अदद ऊपरी सड़क पुल लंबित हैं, ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र.सं.	कारण	ऊपरी/निचले सड़क पुल (संख्या में)
1.	राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण में देरी	10
2.	राज्य सरकार द्वारा संरेखण को अंतिम रूप देना	03
3.	राज्य सरकार से समाप्ति हेतु अनापत्ति प्रमाण पत्र	01

ऊपरी/निचले सड़क पुलों के कार्यों को पूरा करना और कमीशनिंग करना कई कारकों पर निर्भर करता है जैसे समपार समाप्त करने के लिए सहमति देने में राज्य सरकारों का सहयोग, पहुंच मार्ग संरेखण का निर्धारण, सामान्य व्यवस्था आरेख (जीएडी) की स्वीकृति, भूमि अधिग्रहण, अतिक्रमण हटाना, अतिलंघनकारी साधनों को स्थानांतरित करना, विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक मंजूरी, परियोजना/कार्य स्थलों के क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति, जलवायु परिस्थितियों आदि के कारण किसी विशेष परियोजना/क्षेत्र के लिए एक वर्ष में कार्य अनुकूल अवधि आदि। ये सभी कारक परियोजनाओं/कार्यों के समापन समय को प्रभावित करते हैं।

इसके अलावा, रेलवे ने कार्यों की प्रगति में तेजी लाने के लिए निम्नलिखित उपाय किए हैं:

i. **सामान्य व्यवस्था आरेख (जीएडी) को अंतिम रूप देने से पहले संबंधित राज्य सरकार/सड़क स्वामित्व प्राधिकरण के साथ संयुक्त सर्वेक्षण को पूरा किया गया है ताकि सुचारू निष्पादन सुनिश्चित किया जा सके।**

ii. **ऊपरी/निचले सड़क पुलों के कार्यों से संबंधित विभिन्न मुद्दों का समाधान करने के लिए रेलवे और राज्य सरकार के अधिकारियों की आवधिक बैठकें आयोजित की जाती हैं।**

iii. **डिज़ाइन अनुमोदन के दौरान विलंब से बचने के लिए रेलवे के भाग के कार्यों पर सड़क के स्पैन, तिरछेपन और चौड़ाई के विभिन्न संयोजनों के लिए अधिसंरचना और उपसंरचना आरेखों का मानकीकरण किया गया है। इसे एक संकलन के रूप में जारी किया गया है, जिसे त्वरित योजना बनाने के लिए रेल लाइनों पर ऊपरी सड़क पुलों के निर्माण लिए प्रत्यक्ष रूप से अपनाया जा सके।**

स्टेशन पुनर्विकास :

अमृत भारत स्टेशन योजना सहित रेलवे स्टेशनों का विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण का वित्तपोषण सामान्यतः योजना शीर्ष-53 'यात्री सुविधाएँ' के अंतर्गत किया जाता है। योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत आबंटन और व्यय का विवरण क्षेत्रीय रेल-वार रखा जाता है, न कि रेलवे स्टेशन-वार अथवा राज्य-वार।

तेलंगाना राज्य दो क्षेत्रीय रेलों नामतः दक्षिण मध्यम रेलवे और दक्षिण तट रेलवे के अंतर्गत आता है। इन क्षेत्रीय रेलों के लिए, वित्त वर्ष 2026-27 में 967 करोड़ रुपए का आबंटन किया गया है जिसमें से अब तक (जून, 2026 तक), 482 करोड़ रुपए का व्यय उपगत किया गया है।

तमिलनाडु राज्य तीन क्षेत्रीय रेलों नामतः दक्षिण रेलवे, दक्षिण पश्चिम रेलवे और दक्षिण तट रेलवे के अंतर्गत आता है। इन क्षेत्रीय रेलों के लिए, वित्त वर्ष 2026-27 में 1,298 करोड़ रुपए

का आबंटन किया गया है जिसमें से अब तक (जून, 2026 तक), 582 करोड़ रुपए का व्यय उपगत किया गया है।

रेल मंत्रालय ने स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है।

इस योजना में भारतीय रेल के स्टेशनों को बेहतर बनाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और चरणबद्ध तरीके से उनका क्रियान्वयन करना शामिल है। प्रत्येक स्टेशन की आवश्यकता को देखते हुए मास्टर प्लान तैयार करने में निम्नलिखित शामिल हैं:

- **स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुँच में सुधार**
- **शहर के दोनों ओर स्टेशन का एकीकरण**
- **स्टेशन भवन में सुधार**
- **प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, वॉटर बूथ में सुधार**
- **यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े पैदल पार पुल/सबवे का प्रावधान**
- **लिफ्ट/स्वचालित सीढ़ियों/रैंप का प्रावधान**
- **प्लेटफ़ॉर्म की सतह में सुधार/प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर का प्रावधान**
- **'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क का प्रावधान**
- **पार्किंग क्षेत्र का विकास**
- **दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएँ**
- **बेहतर यात्री सूचना प्रणालियां**
- **एयर कान्कोर्स, एक्जीक्यूटिव लाउंज, मल्टीमॉडल एकीकरण, भूसुदर्शनीकरण आदि का प्रावधान।**

इस योजना में आवश्यकता, चरणबद्धता और व्यवहार्यता के अनुसार संधारणीय और पर्यावरण अनुकूल समाधानों और दीर्घकालिक आधार पर स्टेशन पर सिटी सेंटर बनाने की भी परिकल्पना की गई है।

अब तक, इस योजना के अंतर्गत विकास के लिए 1340 स्टेशनों को चिह्नित किया गया है, जिसमें से 40 स्टेशन तेलंगाना और 77 स्टेशन तमिलनाडु में स्थित हैं। तेलंगाना और तमिलनाडु में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास के लिए चिह्नित स्टेशनों के नाम इस प्रकार हैं:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
तेलंगाना	40	अदिलाबाद, बसार, बेगमपेट, भद्राचलम रोड, गदवाल, हाफिज़पेटा, हाई-टेक सिटी, हुप्पुगुड़ा, हैदराबाद, जडचर्ला, जनगांव, काचिगुड़ा, कमारेड्डी, करीमनगर, काज़ीपेट जंक्शन, खम्मम, लिंगमपल्ली, मधिरा, महबूबाबाद, महबूबनगर, मलकापेट, मल्काज़गिरी जंक्शन, मंचिर्याल, मेदक, मेदचल, मिर्यालगुडा, नलगोंडा, निज़ामाबाद जंक्शन, पेद्दपल्ली जंक्शन, रामागुंडम, सिकंदराबाद, शादनगर, श्री बाला ब्रह्मेश्वर जोगुलम्बा, तांडूर, उमदानगर, विकाराबाद, वारंगल, यदाद्री, याकूतपुरा, जाहिराबाद
तमिलनाडु	77	अंबासमुद्रम, अंबत्तूर, अरक्कोणम् जंक्शन, अरियालुर, अवदी, बोम्मिडी, चेंगलपट्टू जंक्शन, चेन्नै बीच, चेन्नै एग्मोर, चेन्नै पार्क, चिदंबरम, चिन्ना सेलम, क्रोमपेट, कोयम्बटूर जंक्शन, कोयम्बटूर नॉर्थ, कुन्नूर, धर्मपुरी, दिंडुक्कल, इरोड जंक्शन, गुडुवनचेरी, गुइंडी, गुम्मिडीपूंडी, होसुर, जोलारपेट्टई जंक्शन, कन्याकुमारी टर्मिनस, कराइक्कुडी जंक्शन, करूर

		जंक्शन, काटपाडी जंक्शन, कोविलपट्टी, कुलितुरई, कुंभकोणम, लालगुडी, मदुरै जंक्शन, माम्बलम, मनापरई, मन्नारगुडी, मयिलाडुतुरै जंक्शन, मेट्टुपलयम, मोरप्पुर, नागरकोइल जंक्शन, नामक्कल, पलानी, परमाकुडी, पेरम्बूर, पोदनूर जंक्शन, पोलाची जंक्शन, पोलुर, पुदुक्कोट्टई, पुराची थलाईवर डॉ. एम.जी.रामचंद्रन सेंट्रल, राजापलायम, रामनाथपुरम, रामेश्वरम, सेलम, सामलपट्टी, शोलावंदन, श्रीरंगम, श्रीविल्लिपुत्तूर, सेंट थॉमस माउंट, ताम्बरम, तेनकासी, तंजावुर जंक्शन, तिरुवरुर जंक्शन, तिरुचेंदूर, तिरुनेलवेली जंक्शन, तिरुप्पादरिप्पुलयूर, तिरुपत्तूर, तिरुप्पुर, तिरुसुलम, तिरुत्तानी, तिरुवल्लुर, तिरुवन्नामलाई, तूतीकोरिन, उदगमंडलम, वेल्लूर कैंट, विल्लुपुरम जंक्शन, विरुधनगर, वृद्धाचलम जंक्शन

तेलंगाना और तमिलनाडु के पूरे किए गए स्टेशन:

तेलंगाना और तमिलनाडु राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य तीव्र गति से शुरू किए गए हैं। तेलंगाना और तमिलनाडु में पूर्ण किए गए स्टेशनों का ब्यौरा निम्नानुसार है:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
तेलंगाना	9	बेगमपेट, हाफिज़पेटा, हाईटेक सिटी, जनगांव करीमनगर, महबूबाबाद, रामागुंडम, श्री बाला ब्रह्मेश्वर जोगुलम्बा, वारंगल
तमिलनाडु	26	अम्बासमुद्रम, बोम्मिडी, चेन्नै पार्क, चिदंबरम, चिन्नसेलम, कुन्नूर,

		करैक्कुडी जंक्शन, कुलितुरई, मांबलम, मनापराई, मन्नारगुडी, मोरप्पुर, नामक्कल, पलानी, परमक्कुडि, पोल्लाची जंक्शन, पोलुर, सामलपट्टी, शोलावंदन, श्रीरंगम, श्रीविलिपुतुर, सेंट थॉमस माउंट, तिरुवरूर जंक्शन, तिरुवन्नमलाई, उदगमण्डलम, वृद्धाचलम जंक्शन

अन्य स्टेशनों पर विकास संबंधी कार्य तीव्र गति से शुरू किए गए हैं और कुछ स्टेशनों की प्रगति निम्नानुसार है:

तेलंगाना के स्टेशन

- सिकंदराबाद स्टेशन: काजीपेट छोर पर 7.5 मीटर चौड़े पैदल पार पुल का कार्य, दक्षिण की ओर नया बेसमेंट पार्किंग-1 और 2, दक्षिण की ओर भूतल पर नया प्रस्थान और आगमन क्षेत्र, दक्षिण की ओर नया पहुंच मार्ग, नया 33 केवी विद्युत उप-स्टेशन और रेल सुरक्षा बल के लिए नये भवन का निर्माण कार्य पूरा हो गया है। उत्तर की ओर नए स्टेशन भवन का निर्माण, दक्षिण की ओर नए स्टेशन भवन का निर्माण, एयर कॉनकोर्स, 7.5 मीटर चौड़ा पैदल पार पुल, 7.5 मीटर चौड़ा पैदल पार पुल और प्लेटफॉर्म नंबर 1 और 10 पर ट्रैवलेटर, स्काई वॉक, थ्रू रूफ, प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार, उत्तर की ओर परिचलन क्षेत्र में सुधार, उत्तर की ओर नया बहुस्तरीय कार पार्किंग (एमएलसीपी), लिफ्ट, एस्केलेटर, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं और नया सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण कार्य शुरू किया गया है।

- उप्पुगुडा स्टेशन: मुख्य प्रवेश द्वार पर नए स्टेशन भवन का कार्य, प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्लेटफॉर्म सतह का सुधार, नया प्रतीक्षालय, नया शौचालय, मुख्य प्रवेश द्वार पर बुकिंग कार्यालय का सुधार, मुख्य प्रवेश द्वार पर परिचलन क्षेत्र का सुधार, लिफ्ट, एस्केलेटर और 12 मीटर चौड़ा पैदल पार पुल पूरा हो गया है। दूसरे प्रवेश द्वार पर स्टेशन भवन,

दूसरे प्रवेश द्वार पर पार्किंग क्षेत्र और मुख्य व दूसरे द्वार पर प्रवेश द्वार के सुधार का कार्य किया गया है।

- मलकाजगिरी जंक्शन स्टेशन: दूसरे प्रवेश द्वार पर स्टेशन भवन के विस्तार, प्लेटफॉर्म शेल्टर, नए प्रतीक्षालय, नए शौचालय और 12 मीटर चौड़े पैदल पार पुल का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार, मुख्य प्रवेश द्वार पर बुकिंग कार्यालय में सुधार, मुख्य प्रवेश द्वार पर परिचलन क्षेत्र में सुधार, मुख्य प्रवेश द्वार पर पार्किंग, मुख्य प्रवेश द्वार पर नए प्रवेश/निकास द्वार, लिफ्ट और एस्केलेटर के निर्माण कार्य शुरू किए गए हैं।

- मंचिर्याल स्टेशन: प्लेटफॉर्म शेल्टर का कार्य पूरा हो चुका है। मुख्य प्रवेश द्वार पर स्टेशन भवन के विस्तार, मुख्य प्रवेश द्वार पर स्टेशन भवन में सुधार, मुख्य प्रवेश द्वार पर नया प्रवेश द्वार, प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार, नया प्रतीक्षालय, नया शौचालय, मुख्य प्रवेश द्वार पर परिचलन क्षेत्र में सुधार, पार्किंग, लिफ्ट, एस्केलेटर और 12 मीटर चौड़ा पैदल पार पुल का कार्य शुरू किया गया है।

- काजीपेट जंक्शन स्टेशन: प्लेटफॉर्म शेल्टर, सामान्य श्रेणी प्रतीक्षालय का सुधार, नया भुगतान एवं उपयोग शौचालय, मुख्य प्रवेश द्वार पर पार्किंग, लिफ्ट, एस्केलेटर और 12 मीटर चौड़ा ऊपरी पैदल पुल का कार्य पूरा हो चुका है। मुख्य प्रवेश द्वार पर स्टेशन भवन का कार्य, मुख्य प्रवेश द्वार पर नया प्रवेश द्वार प्रांगण, प्लेटफॉर्म संख्या 1 और 2/3 के प्लेटफॉर्म सतह का सुधार, नया वातानुकूलित प्रतीक्षालय, मुख्य प्रवेश द्वार पर परिचलन क्षेत्र का सुधार और दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं तैयार की गई हैं।

तमिलनाडु के स्टेशन

- **रामेश्वरम स्टेशन: मल्टी फंक्शनल कॉम्प्लेक्स (एमएफसी) भवन को रिटायरिंग रूम में बदलने, पूर्वी और उत्तरी टर्मिनल भवन के संरचनात्मक कार्य, पार्सल कार्यालय, आवासीय टावर, प्रस्थान अग्र प्रांगण, आगमन अग्र प्रांगण, सबस्टेशन भवन और सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के कार्य पूरे हो चुके हैं। पूर्वी टर्मिनल भवन, उत्तरी टर्मिनल भवन, प्रस्थान अग्र प्रांगण, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, आगमन अग्र प्रांगण, प्लेटफॉर्म शेल्टर का फिनिशिंग कार्य और प्रतीक्षालय के सुधार का कार्य शुरू किए गए हैं।**

- **चेन्नै एग्मोर स्टेशन: पार्सल भवन, गांधी-इरविन (जीआई) सड़क किनारे बहु-स्तरीय कार पार्किंग, पूनमल्ली हाई (पीएच) सड़क किनारे बहु-स्तरीय कार पार्किंग और उप-स्टेशन भवन के संरचनात्मक कार्य पूरे हो चुके हैं। जीआई साइड मल्टी-लेवल कार पार्किंग, पीएच साइड मल्टी-लेवल कार पार्किंग, सबस्टेशन भवन, जीआई साइड टर्मिनल भवन का संरचनात्मक कार्य, पीएच साइड टर्मिनल भवन का नींव संबंधी कार्य, आगमन पैदल पार पुल और एयर कॉनकोर्स का कार्य शुरू किया गया है।**

- **विरुदुनगर स्टेशन: परिचलन क्षेत्र, पार्किंग, प्रवेश/निकास द्वार का सुधार कार्य, कोच संकेतक बोर्ड और गाड़ी संकेतक बोर्ड लगाने के कार्य पूरे किए जा चुके हैं। स्टेशन भवन प्रवेश, द्वार प्रांगण और 6 मीटर चौड़े उपरि पैदल पुल के सुधार कार्य शुरू कर दिए गए हैं।**

- **करूर जंक्शन स्टेशन: स्टेशन भवन का सुधार, 12 मीटर चौड़ा उपरि पैदल पुल, परिचलन क्षेत्र का सुधार, पार्किंग, मुख्य प्रवेश द्वार, प्रतीक्षालय, शौचालय, पार्सल कार्यालय भवन, प्लेटफॉर्म सतह का सुधार और प्लेटफॉर्म सं. 1 को चौड़ा करने का कार्य पूरा हो चुका है। लिफ्ट और एस्केलेटर का कार्य शुरू कर दिया गया है।**

- **तंजावुर जंक्शन स्टेशन: प्रवेश प्रांगण का कार्य, परिचलन क्षेत्र, कॉनकोर्स सबवे प्लेटफॉर्म शेल्टर, आगमन लॉबी, निकास द्वार, बुकिंग कार्यालय का सुधार, कोच संकेतक बोर्ड, गाड़ी संकेतक बोर्ड और साइनेज लगाने का कार्य पूरा हो चुका है। पार्किंग, लिफ्ट और एस्केलेटर का कार्य शुरू कर दिया गया है।**

इसके अलावा, भारतीय रेल में रेलवे स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण सतत और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्य सापेक्ष प्राथमिकता और धन की उपलब्धता के अध्यधीन आवश्यकतानुसार शुरू किए जाते हैं। रेलवे स्टेशनों के विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण कार्य स्टेशन की कोटि/दशा/संभाले जाने वाले यातायात आदि के आधार पर निष्पादित किए जाते हैं।

रेलवे स्टेशनों का विकास/उन्नयन जटिल प्रकृति का होता है, जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल होती है और इसके लिए पेड़ों की कटाई, धरोहर, दमकल विभाग से मंजूरी, विमानपत्तन मंजूरी इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। यह स्टेशन लंबे समय से परिचालित है जिनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं को स्थानांतरित करना (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं), अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन, रेलपथ व उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के पास किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउन फील्ड संबंधी चुनौतियों के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य की प्रगति और पूरा करने के समय को प्रभावित करते हैं।

****